LNMUonline.com

R.B. (Non-Hindi) SET-II (Gr. E to H & NC)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. 'रश्मिरथी' के संदेश पर प्रकाश डालें। 10
   अथवा, 'कर्ण-कुन्ती-संवाद' का मूल भाव स्पष्ट करें।
2. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करें : 10
   प्रत्येक कार्य करने में समय और शक्ति का महत्व है। काम करने के तरीके पर समय और शक्ति की मात्रा निर्भर करती है। किसी कार्य को करने में व्यय होनेवाले समय और शक्ति को कम करने के लिये काम करने की विधि में सुधार लाना पड़ता है। एक निर्धारित समय और शक्ति की मात्रा के अन्तर्गत अधिक काम को करना ही कार्य का सरलीकरण है। इसके लिए विवेक और प्रबन्धन का ज्ञान आवश्यक है।
   अथवा, 'नाच न जाने आँगन टेढ़'—इस कथन को पल्लवित करें।
3. विधि-व्यवस्था में सुधार हेतु अपने पुलिस अधीक्षक को एक आवेदन पत्र लिखें। 10
4. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं पाँच का वाक्य-प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट करें : 5
   (क) कमर कसना (ख) आँख फटना (ग) ओंठ सूखना (घ) ओंठ चाटना (ङ) कमर झुकना (च) दाँत बजाना (छ) मुँह लगाना (ज) मुँह भरना
5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध करें : 5
   (क) वह गीत की दो-चार लड़ियाँ गाती है।
   (ख) आपका पत्र सधन्यवाद मिला।
   (ग) हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है।
   (घ) मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण करने के लिए तैयार हूँ।
   (ङ) हमारे शिक्षक बहुत प्रश्न पूछते हैं।
   (च) मेरा नाम श्री अनामदास है।
   (छ) अभंग एक प्रकार का मराठी छन्द होता है।
   (ज) आपका भवदीय।
6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें : 10
   (क) रश्मिरथी के रचयिता का पूरा नाम लिखें।
   (ख) 'रश्मिरथी' महाकाव्य है या खण्डकाव्य?
   (ग) 'रश्मिरथी' का उपजीव्य ग्रंथ कौन-सा है?
   (घ) कर्ण का लालन-पालन किसने किया था?
   (ङ) 'रश्मिरथी' में कितने सर्ग है?

LNMUonline.com